तापमान
अधिकतम 43 .3 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 अप्रैल, 2025

12 जागरूक होकर पशु-पक्षियों के कल्याण के...

12 कमियां दूर करके दोबारा शुरू होगा काम

खबर संक्षेप

जुआ खेलते दो गिरफ्तार 5500 रुपये बरामद

हांसी। जुआ व सट्टा के खिलाफ चलाया जा रहे विशेष अभियान के दौरान थाना शहर पुलिस ने ताश के पत्तों के साथ जुआ खेल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जगदीश कालोनी निवासी रवींद्र व राकेश के रूप में हुई है पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपितों के पास से 5500 बरामद किए हैं।

अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने 12 बोतल अवैध देशी शराब के साथ चारकुतुब गेट निवासी कालू को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार शहर थाना पुलिस ने गश्त पड़ताल दौरान समाधा रोड़ स्थित खरड़ चुंगी के समीप उसे शक के आधार पर ली गई तलाशी के दौरान अवैध देसी शराब की 12 बोतल बरामद हुई।

कपड़ा मार्केट में लगे भवन निर्माण सामग्री के ढेर

आदमपुर। यहां के राज सिनेमा के सामने हुडा विभाग द्वारा काटी गई कपड़ा मार्केट में इस समय भवन निर्माण सामग्री के ढेर लगे हुए हैं। यहां भारी मात्रा में सीमेंट रेती, क्रेशर, गाटर, बजरी डाल दी गई है। हवा के चलते दिनभर धूल उड़ती रहती है। आसपास के लोग इस कदर परेशान है कि वह दुकानों का गेट भी नहीं खोल पाते हैं। इससे एलर्जी व दमा जैसी बीमारियां फैल रही है। यह मार्केट चौ. भजनलाल के कार्यकाल में 1985 में काटी गई थी।

जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक काबू

हिसार। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने शीशमहल वाली गली में स्थित होटल के संचालक को पिस्तोल के बल पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी मंगाली सुरतिया निवासी पंकज को गिरफ्तार किया है। एएसआई सिराजुद्दीन ने बताया कि इस संबंध में शनिवार को थाना अर्बन एस्टेट में गांव नहला निवासी राकेश ने उपरोक्त नामजद आरोपी पंकज और उसके साथियों के खिलाफ झगड़ा कर मारपीट करने और पिस्तोल दिखा जान से मारने की धमकी देने के बारे में शिकायत दी थी।

परिवार पर जेली व पत्थरों से हमला,15 पर केस दर्ज

हांसी। राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सोरखी गांव में रविवार शाम एक परिवार को ससुर के काज में शामिल होने से रोकने के लिए 15 लोगों ने हमला कर दिया। गांव में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच झगड़े की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची दोनों पक्षों को अलग किया। घायल युवक मिंटू को उपचार हेतु हांसी नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने घायल मिंटू की मां संतरा की शिकायत पर 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

सट्टा खाईवाली करते 33 हजार के साथ चार काबू

हांसी। जिला भर में जुआ व सट्टा लगाने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान सीआईए स्टाफ व शहर थाना पुलिस ने 4 अलग-अलग स्थानों पर सट्टा खाईवाल करते हुए 33220 रुपए सहित 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार शहर थाना पुलिस ने जाट धर्मशाला के पास से 1250 रुपए के साथ चारकुतुब गेट निवासी शंकर, 1220 रुपए के साथ चारकुतुब गेट निवासी सन्नी, हनुमान कालोनी निवासी विक्रम को हुडा सेक्टर 5 से 650 रुपए के साथ गिरफ्तार किया।

सही रास्ता न होने के कारण नहीं पहुंच पाई दमकल गाड़ियां

अग्रोहा टीले पर चल रहे खुदाई कार्य के बीच लगी आग

एक दिन पहले ही मिला था कंकाल, अगले दिन लग गई आग, कड़ी मशक्कत के बाद देर सायं पाया गया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। अग्रोहा में टीले पर लगी आग, तसलों में मिट्टी भरकर आग बुझाने का प्रयास करते ग्रामीण तथा मौके पर पहुंचे बजरंग दास गर्ग। फोटो: हरिभूमि

जिले के अग्रोहा स्थित ऐतिहासिक टीले पर फैले 125 एकड़ जंगल में रविवार दोपहर को अचानक आग लग गई। हालांकि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन इस समय ऐतिहासिक टीले पर पुरातत्व विभाग की ओर से खुदाई का काम चल रहा है। आग की सूचना के बाद दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। अग्रोहा टीले पर फैले जंगल में लगी आग बुझाने के लिए राहत एवं बचाव कर्मी मशक्कत करते रहे। तेज हवा के कारण आग बुझाने में दिक्कत भी आई।

मौके पर पहुंचे अग्रोहा थाना प्रभारी ने कहा कि फायर ब्रिगेड गाड़ियां मौके पर हैं लेकिन दमकल की गाड़ियां हादसा स्थल तक पहुंच नहीं पाई, जिस कारण आग बुझाने के कार्य में परेशानी आई। अधिकारियों ने आसपास के गांवों में अनाउंसमेंट करवाया जिसके बाद ग्रामवासी ट्रेक्टर से टैंकरों में पानी लेकर टीले पर पहुंचे और आग बुझाने के कार्य में मदद की।

एक दिन पहले ही मिला था कंकाल

बताया जा रहा है कि अग्रोहा टीले पर चल रही खुदाई में कल ही एक मानव कंकाल मिला था। पुरातत्व विभाग चंडीगढ़ सर्कल की टीम पिछले 45 दिनों से यहां खुदाई कर रही है।

टीम की निदेशक कामेई अथोइलू काबुई के नेतृत्व में यह काम चल रहा है। खुदाई के लिए टीले पर 10x10 फीट के 12 ट्रेंच बनाए गए हैं। शनिवार को ए-वन ट्रेंच से मानव कंकाल की खोपड़ी मिली। उप निदेशक डॉ. अर्कित प्रधान के अनुसार, कंकाल ज्यादा पुराना नहीं लगता क्योंकि यह टीले की सबसे ऊपरी परत में मिला है। आगे की खुदाई में कंकाल का पूरा हिस्सा मिलने की संभावना है।

खुदाई में मिले चौथी से 14वीं शताब्दी तक के अवशेषः काबुई

निदेशक काबुई ने बताया कि पहले की खुदाई में चौथी से 14वीं शताब्दी तक के अवशेष मिले थे। मौजूदा खुदाई में कई महत्वपूर्ण चीजें मिली हैं। इनमें कमल पुष्प सहित विभिन्न आकृतियों वाले खुदे हुए पत्थर, पुरातन इमारतों की दीवारें, मिट्टी की हांडियां, भवन के अवशेष, सीढ़ियों के अवशेष और मिट्टी के खिलौने शामिल हैं।

खुदाई में काफी सामान मिलाः भट्टाचार्य

पुरातत्व विभाग हरियाणा की उपनिदेशक बनानी भट्टाचार्य ने कहा कि मिट्टी के ढक्कन, स्नान में प्रयुक्त पत्थर, छोटे गोल बर्तन और मिट्टी के मनके भी मिले हैं। मिले कंकाल की लैब में जांच की जाएगी। इससे यह पता चलेगा कि यह किस उम्र के पुरुष या महिला का है। अभी तक हुई खुदाई में पांच सांस्कृतिक कालखंड प्राप्त हुए हैं। उत्खनन से एक बौद्ध स्तूप और एक हिंदू मंदिर का भी पता चला है। साइट से चार इंडो ग्रीक, एक पंच-मार्क और अग्रोदका के 51 अन्य सिक्कों सहित सिक्कों का एक संग्रह मिला है। इस स्थल पर विभिन्न कालखंडों के चांदी और कांस्य के सिक्के भी पाए गए हैं। वे रोमन, कुषाण, यौधेय और गुप्त साम्राज्य से संबंधित हैं। इनमें प्रयुक्त भाषा प्राकृत है। खुदाई के दौरान लगभग 7 हजार कलाकृतियां बरामद हुईं। असंख्य पत्थर की मूर्तियों के अलावा, लोहे और तांबे के उपकरण और अर्ध-कीमती पत्थरों के मोती भी पाए गए हैं। वह समय दूर नहीं जब पूरी दुनिया अग्रोहा को विश्व धरोहर के रूप में जानेगा।

गाड़ियों को पहुंचने में हुई दिक्कत

दमकल गाड़ियों के हादसा स्थल तक पहुंचने की व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीणों की टीम ने तसले लेकर मिट्टी डालकर आग बुझाने में सहयोग किया। ऐहतियात के तौर पर खुदाई में लगे नोएडा संस्थान के छात्र दल को उनके हॉस्टल में भेज दिया गया। फायर की ब्रिगेड की गाड़ियों को आसपास के रास्तों की तलाश करके हादसा स्थल तक पहुंचना पड़ा। टीले तक पहुंचने का सीधा एक ही रास्ता था जिसकी सीधी चढ़ाई होने के कारण ऊपर फायर ब्रिगेड की गाड़ी को पहुंच ने में दिक्कत हुई।

बजरंग गर्ग ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

उधर, टीले पर लगी आग की सूचना मिलने पर अग्रोहा धाम अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए अग्रोहा धाम के कर्मचारी लगाए और टीले में आग लगने की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अग्रोहा टीला जो 125 एकड़ में फैला हुआ है उसमें आग लगना चिंता का विषय है और इससे जीव-जंतुओं को जान का खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी व गांववासी अपने-अपने साधनों से आग बुझाने में लगे। अग्रोहा मेडिकल कॉलेज से भी आग बुझाने के लिए दो सिलेंडर मगवाए गए हैं और अग्रोहा के स्थानीय निवासी भी आग बुझाने के लिए लगे हुए है। उन्होंने कहा कि सरकार को भविष्य में टीले व उसके आसपास हर प्रकार की मूलभूत सुविधा की व्यवस्था करनी चाहिए।

पाकिस्तान का पुतला जलाया

- सर्व व्यापार मंडल के तत्वाधान में विभिन्न संगठनो के लोग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट

हरिभूमि न्यूज ⏭उकलाना मंडी

उकलाना। पाकिस्तान का पुतला फूंकते विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य।

सर्व व्यापार मंडल के तत्वाधान में विभिन्न संगठनों ने पहलगाम नरसंहार के विरोध में उकलाना की पुरानी अनाज मंडी के चौराहे पर पाकिस्तान का पुतला फूंककर विरोध जताया। इससे पहले महाराजा अग्रसेन पार्क मे मौन रखकर शोक व्यक्त किया। सर्व व्यापार मंडल के प्रधान महेश बंसल ने कहा कि है बड़ा दुखदाई विषय है कि कुछ राक्षस रूपी आंतकवादियों ने निर्दोष लोगों की सरेआम हत्या कर दी। इस मौके पर कैलाश लोहिया, रोशन मित्तल, सतीश दनोदा, बजरंग बंसल, नरेंद्र गर्ग अनाज मंडी के पूर्व प्रधान राजेश धतरवाल, महेंद्र दहमनिया, हरपाल पातड़, राजकुमार जिंदल, श्यामसुंदर बंसल, हरपाल सेलवाल, सजन मित्तल, सतीश शर्मा, वासुदेव शर्मा, सुनील गर्ग, नीरज व सुनील सोनी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित थे।

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में रखी मांगे

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

संयुक्त किसान मोर्चा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई 26 लोगों की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की है। मोर्चा ने रविवार को हुई बैठक की शुरूआत में दो मिनट का मौन धारण करके आतंकी हमले में जान गंवा चुके व्यक्तियों के लिए शोक प्रकट किया और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की। बैठक में जनता के सभी समुदायों से अपनी एकता बनाए रखकर आतंकवाद को परास्त करने की अपील। सुरेश कोथ, रणबीर मलिक व सुखविंदर रतिया की संयुक्त अध्यक्षता में हुई संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में किसान मोर्चा ने देश व प्रदेश में कहीं भी सांप्रदायिक माहौल को खराब करने वाली ताकतों पर भी रोक लगाने की मांग की। बैठक में किसानों, मजदूरों के मुद्दों पर 20 मई को होने वाली ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए सभी जिलों में प्रदर्शन का आह्वान किया गया। मोर्चा ने कहा कि हरियाणा सरकार से नकली बीज,दवाई बेचने वाले पर कार्यवाही के लिए बने नए प्रावधानों में किसी प्रकार का संशोधन स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में आगजनी से नष्ट हुई फसलों की भरपाई करने, डहार पानीपत टोल प्लाजा की मनमानी पर रोक लगाने, आईएमटी रोजका मेव में किसानों के लंबित मुआवजे के लिए चल रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार से जल्द उनके मुद्दों को हल करने की मांग की गई।

हिसार। संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में विचार-विमर्श करते किसान नेता।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा के घटक संगठनों के दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे। इसमें मास्टर बलबीर सिंह, बारुराम, जोगेंद्र नैन, सोमबीर पिलानिया, विकास सीसर, तेजेंद्र थिंद, धर्मपाल बड़ाला, हवासिंह, हरजिंदर सिंह नानूआना, राजीव मलिक, निर्भय, मोहम्मद एसपी, हाफिज सिराजुद्दीन, जियालाल, आजाद मीरान, रवि आजाद व सुमित दलाल आदि प्रमुख है।

हिसार। बैठक करते सेक्टर 33 रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारी।

जल आपूर्ति की समस्या बनी चिंता का विषय

- समस्या का हल न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सेक्टर 33 में पिछले कुछ समय से जल आपूर्ति की गंभीर समस्या बनी हुई है। इससे क्षेत्र के निवासी अत्यधिक परेशान हैं। रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी का कहना है कि सुबह निर्धारित समय पर भी पानी की आपूर्ति या तो पूरी तरह से बंद रहती है या बहुत कम दबाव से होती है। प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया कि इस संबंध में सोसायटी की बैठक हुई जिसमें जल सहित अन्य समस्याओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जल बारे कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद विभाग द्वारा अब तक कोई स्थाई समाधान नहीं किया गया है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों में रोष है उन्होंने विभाग से इस तरफ जल्द ध्यान देने की मांग की है। उनका कहना है कि रात के दो-दो बजे तक निवासियों को पानी के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उनका आरोप है कि इसमें अधिकारी और ठेकेदार मिले हुए हैं। यहां प्रधान धर्मवीर पानू, उप प्रधान कृष्ण बिश्नोई, महासचिव बलविंदर सिंह आदि रहे।

कई मुद्दों पर चर्चा

प्रधान पानू ने बताया अन्य समस्याओं जैसे जल घर, पार्क डेवलपमेंट, कम्युनिटी सेंटर, बिजली घर, 45 मीटर की सड़क राष्ट्रीय मार्ग से जोड़ने के बारे में भी बैठक में विचार किया गया। इसके साथ ही इन मांगों के बारे में भी उच्चाधिकारियों और कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से मिलने का निर्णय लिया गया। रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के सचिव बलविंदर सिंह ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि इस समस्या को जल्द से जल्द हल किया जाए।

मालगाड़ी के कंटेनर पर मिला संदिग्ध बैग

- अधिकारियों ने बैग की जांच की तो उसमें मिला कबाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार से पंजाब की ओर जा रही एक मालगाड़ी के कंटेनर पर संदिग्ध बैग मिलने का समाचार है। बैग को उकलाना रेलवे स्टेशन के पास देखा गया, जिस पर स्टेशन अधिकारियों को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और आरपीएफ तुरंत हरकत में आया और मालगाड़ी को उकलाना स्टेशन पर रोककर जांच की गई। उकलाना में रेलवे स्टेशन के मास्टर लूना सिंह ने बताया कि हिसार-लुधियाना रेलवे मार्ग से गुजर रही मालगाड़ी के एक कंटेनर के ऊपर संदिग्ध बैग दिखाई देने की सूचना अधिकारियों को मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मालगाड़ी को उकलाना रेलवे स्टेशन पर रोका गया और आरपीएफ चौकी उकलाना की टीम ने अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में जांच शुरू की।

हिसार। मालगाड़ी के उपर पड़ा बैग।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैग फैकने का अनुमान

जांच के दौरान एक कंटेनर के ऊपर एक बैग पाया गया, जिसे सावधानीपूर्वक नीचे उतारा गया और खोलकर देखा गया। बैग के अंदर कबाड़ आदि सामान मिला, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यह बैग किसी व्यक्ति द्वारा फेंका गया होगा। करीब एक घंटे की जांच के बाद जब किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, तो मालगाड़ी को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। इस प्रक्रिया के चलते मालगाड़ी करीब एक घंटा निर्धारित समय से देरी से रवाना हुई। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों और आम जनता से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु दिखाई दे तो तुरंत रेलवे अथवा पुलिस को सूचना दें।

देशी पिस्तोल व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। अवैध हथियार रखने वालों व अपराधों पर लगाम लगाते हुए स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा कारतूस के साथ हनुमान कालोनी निवासी सुमित को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त के दौरान सूचना के आधार पर हनुमान कॉलोनी निवासी सुमित का गिरफ्तार करके उससे 32 बोर का अवैध देसी कट्टा व एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राचार्य को मिला सम्मान

जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें विद्यार्थी

- डीएन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह प्रतिष्ठित महात्मा हंसराज पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के डीएन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु डीएवी प्रबंधन समिति नई दिल्ली के प्रधान पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी द्वारा प्रतिष्ठित महात्मा हंसराज पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिला स्थित सुजानपुर टिहरा में आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। यह सम्मान उन शिक्षाविदों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समर्पण एवं मूल्यों के साथ नई मिसाल कायम की है। डॉ. विक्रमजीत सिंह को यह पुरस्कार उनके नवोन्मेषी दृष्टिकोण, अकादमिक नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयासों के लिए दिया गया हैं। कॉलेज में केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और भारतीय संस्कृति की शिक्षा भी दी जाती है। शिक्षकों का जन्मदिन हवन और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मनाना इस संस्थान की विशेष परंपरा बन चुकी है।

हिसार। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह को सम्मानित करते संस्था के पदाधिकारी।

पुरस्कार पूरे डीएन कॉलेज की मेहनत का परिणाम

प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने यह सम्मान कॉलेज परिवार को समर्पित करते हुए कहा कि यह पुरस्कार पूरे डीएन कॉलेज की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा से शिक्षा को एक सार्थक, समावेशी और विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देने वाला माध्यम बनाना रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे लक्ष्य को निर्धारित कर मेहनत से आगे बढ़ें, क्योंकि शिक्षा ही उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। कॉलेज के प्राध्यापकों का कहना है कि डॉ. सिंह जैसे प्राचार्य का नेतृत्व पाकर कॉलेज अत्यंत गौरवान्वित महसूस करता है। विद्यार्थियों की समस्याओं को समझना, उन्हें मार्गदर्शन देना और शिक्षकों को प्रेरित करना उनकी कार्यशैली की विशेषता रही है। उनका मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

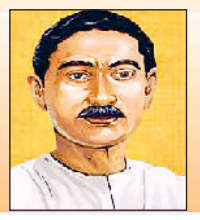

कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी- ''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''

कहानी

डा. सुरेश वशिष्ठ

बुआ

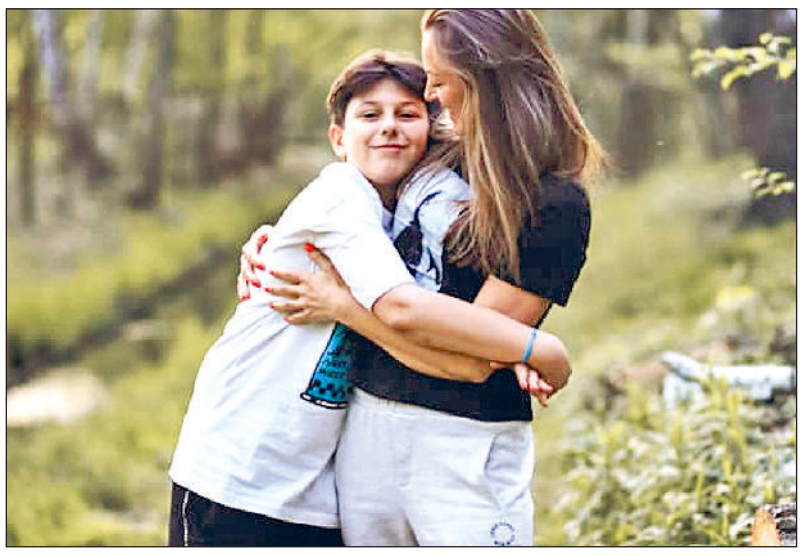

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।' और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

> *उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।*

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?'' जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।'' मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा-लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

कविता | कृष्ण लाल' गिरधर '

वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन | पं. कमलकांत भारद्वाज

धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।

साक्षात्कार | **ओ.पी पाल**

साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 गजलें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ. शिवकांत शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
जन्मतिथि : 23 जून 1958
जन्म स्थान : गांव पेटवाड़ (हिसार)
शिक्षा : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
संप्रति : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है
लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां
मूल्य : 17 5 रुपये
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | **डॉ. अल्पना सुहासिनी**

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

खबर संक्षेप

पुलिस ने पिस्तौल सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस द्वारा नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ को लेकर दिए गए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस ने भूना क्षेत्र से एक युवक को नाजायज हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अमन कुमार पुत्र कश्मीर लाल निवासी वार्ड नं. 9, भूना के रूप में हुई है।

बाइक लेकर खड़े युवक को कार ने मारी टक्कर

फतेहाबाद। भट्टूकलां के गांव बनमंदौरी के पास एक कार ने सडक़ किनारे मोटरसाइकिल लेकर खड़े युवक में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए जयपुर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।दी शिकायत में गांव पीलीमंदौरी निवासी संदीप कुमार ने कहा है कि वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से भट्टू मण्डी गया था तभी हादसा हुआ। शाम को जब वह वापस आ रहा था ।

मारपीट के मामले में युवक को किया काबू

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने घर में घुसकर एक युवक पर हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कामदेव पुत्र दलीप कुमार निवासी वार्ड नं. 4, रतिया के रूप में हुई है। आरोपी को जमानत पर रिहा किया गया है। थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 19 अप्रैल को अमरजीत सिंह उर्फ रोहित निवासी वार्ड नं. 3, रतिया की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी डुप्पा नामक युवक से कहासुनी हुई थी। इसके बाद डुप्पा अपने साथियों के साथ उसके घर आया और उस पर गंडासे से हमला कर घायल कर दिया। बाद में हमलावर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

हिसार जिले में जो पुलों का जाल बिछाया गया है, उसमें जजपा की बड़ी भूमिका

प्रदेश में 'वाटर इमरजेंसी', सरकार का नहीं ध्यान : दुष्यंत चौटाला

सरकार में रहते हुए हिसार के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

आने वाला समय जननायक जनता पार्टी का होगा। जजपा कार्यकर्ता दिन रात मेहनत करके पार्टी का प्रचार करें और संगठन को और ज्यादा मजबूत बनाएं।

यह बात पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अर्बन एस्टेट स्थित अपने आवास पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सरकार में रहते हुए उन्होंने हिसार के विकास के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी थी। हिसार शहर में करोड़ों रुपये विकास पर खर्च किए गए थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हिसार जिले में जो पुलों का जाल बिछाया गया है, उसमें जजपा की बड़ी भूमिका रही है। पहले तो उन्होंने लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए पुलों की योजनाओं को तैयार करवाया और जब सरकार में भागीदारी हुई तो पीडब्लयूडी मंत्री के नाते इन प्रौजेक्टों को सिरे चढ़ाने का काम किया। इन सुविधाओं का आज जनता को लाभ मिल रहा है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि हिसार शहर को और ज्यादा विकसित करवाने के लिए उन्होंने ऐलीवेटिड रोड के प्रोजैक्ट पर काम शुरू करवाया था और 750 करोड़ की राशि भी मंजूर करवाई थी लेकिन जजपा के सरकार से अलग होने के बाद इस प्रोजैक्ट पर कोई काम नहीं हुआ और इस प्रोजैक्ट को रद्दी की टोकरी में डालने की तैयारी चल रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश में 'वाटर इमरजेंसी' जैसे हालत हो गए हैं। जहां गांवों में पेयजल का भारी संकट है, वहीं शहरी क्षेत्रों में भी लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। गांवों के जहां जलाशय व जोहड़ सूखे हुए हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों के जलघरों में पानी नहीं है। हालात ये है कि प्रदेश के लोगों को पानी के टैंकर खरीद कर पानी पीना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो पहले ही बिजली के हालात काफी खराब थे और अब तो शहरी क्षेत्रों में भी बिजली संकट बना हुआ है।

हिसार। में अपने आवास पर पार्टीजनों से बातचीत करते दुष्यंत चौटाला।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राजेंद्र लितानी, अमित बूरा, पंकज मेहता, सत्यवान बिछपड़ी, डॉ. अजीत सिंह, तरुण गोयल, राजेश झाझड़िया, सत्यवान कोहाड़, कलम सिंह एडवोकेट, सज्जन सिसाय, विपिन गोयल, पम्मी सरपंच, जीतेन्द्र भयाना, मोहित अरोड़ा, योगेश आर्य, मांगेराम कमांडेंट, वीरेंद्र चौधरी, अनिल शर्मा पार्षद, राजेंद्र चुटानी, सतबीर कस्वां, नेकीराम श्योरान, किताब सिंह देवा, सूबे सिंह सिवाच, श्रवण बागड़ी, ईश्वर लौरा, अमित बाजेका, रणधीर बलहारा, निहाल सिंह चीफ, दीपक बामल, धीरा बरवाला, सुरेंद्र फौजी, ओमप्रकाश मेरिया सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिव सेवक मंडल ट्रस्ट ने अमरनाथ भंडारे के लिये इयूटियां लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री शिव सेवक मंडल ट्रस्ट की बैठक मंडल के प्रधान डॉ. महिपाल मुंजाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक की शुरुआत में पहलगाम में हुई आतंकी घटना में मारे गये निर्दोष लोगों को दो मिनट का मौन धारण करके श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

इसके बाद अमरनाथ यात्रा के दौरान मंडल द्वारा श्रीनगर में पैंथा चौक पर लगाये जाने वाले 14वें भंडारे की तैयारियों की रुपरेखा तय की गई। भंडारा 3 जुलाई से लेकर 9 अगस्त तक चलेगा। बैठक में ट्रस्ट से जुड़े सेवादारों की अलग-अलग इयूटियां लगाई गई। राशन सामग्री से भरे ट्रकों को भंडारे से पूर्व हिसार से रवाना करने का निर्णय लिया गया। याद रहे ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष अमरनाथ यात्रियों के लिये भंडारा चलाया जाता है। इससे पूर्व ट्रस्ट की ओर से अमरनाथ यात्रियों के लिये अब तक 13 भंडारे लगाये जा चुके हैं। ट्रस्ट के सेवादार जगदीश रहेजा ने बताया कि श्रीशिव सेवक मंडल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष अमरनाथ यात्रियों के लिए लगाये जाने वाले भंडारे में 24 घंटे खाने-पीने, रहने व चिकित्सा सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। सेवादारों ने बताया कि भंडारे में प्रतिदिन लगभग दो से तीन हजार यात्रियों के आने की संभावना रहती है। बैठक में विजय गावडिया, शम्मी नागपाल, रामबक्श असीजा, जगदीश रहेजा, राकेश मित्तल, पं. नरेन्द्र शर्मा, प्रवीन कुमार वर्मा, रमेश भल्ला, मुकेश बजाज एडवोकेट, रवि मेहता एडवोकेट, दिनेश सरदाना, गगन मल्होत्रा, दर्शन रहेजा, डॉ. गौरव मुंजाल, शालू नागपाल, कुलदीप ग्रोवर, राजुल नागपाल, नीरज ढींगड़ा, महेन्द्र पाल, सुनील कटारिया, नीरज वर्मा, कृष्ण चंद, सोनू वर्मा, शंकर सैनी आदि मौजूद रहे।

हमारा प्यार-हिसार ने सेक्टर 13 मार्केट में चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

'हमारा प्यार-हिसार' ने शहर को साफ सुथरा बनाने की मुहिम के तहत सेक्टर 13 की मार्केट में सफाई अभियान चलाया। इस काम में दुकानदारों, स्थानीय निवासियों और नगर निगम की टीम का सहयोग रहा। साथ लगती झुग्गियों के बच्चों ने भी अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लिया। मार्केट के साथ लगती ग्रीन बेल्ट और पार्किंग में लोगों ने बहुत कूड़ा डाल रखा था। सभी सदस्यों ने मिलकर पूरे क्षेत्र की सफाई कर उसे सुंदर बना दिया। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज सोनी, सतीश खरींटा, रामसिंह जाखड़, डॉ. बीबी बांगा, कमल भाटिया, शकुंतला रहेजा, जितेंद्र बंसल, गगन मेहता, सत्येंद्र यादव, सचिन, सुहासिनी, मधु गोयल, सुमन ऐरन, दिनेश बंसल, अजय गोरखपुरिया, मनीष गोयल, प्रवीण अग्रवाल, विक्की रौतेला, आई डी सिंगल, आनंद जैन, सुभाष सिकरी, आजाद सिंह, आशीष जैन, संजु ग्रोवर, नमन जैन, एस पी गोयल, जगदीश कुमार, अंकुर मित्तल, पराग, अंकित गर्ग, नमन सिंगला, अभिमन्यु, मेघा, रिया व ध्रुव शामिल हुए।

हिसार। सफाई अभियान के लिए तैयार हमारा प्यार हिसार की टीम।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें विद्यार्थी : नरसी राम बिश्नोई

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में झंकार क्लब ने किया नृत्य कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में झंकार क्लब की ओर से एक भव्य नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस प्रतिवर्ष आधुनिक बैले के अग्रदूत जीन-जॉर्ज नोवरे की जयंती के उपलक्ष्य में विश्व भर में मनाया जाता है।

विवि के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों को इस पहल के लिए बधाई दी और उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी प्रेरित किया। इस कार्यशाला का आयोजन सीआरएस सभागार के क्रश हॉल में किया गया। इसमें हरियाणवी नृत्य और हिप-हॉप नृत्य की प्रस्तुति और प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में कोई पंजीकरण शुल्क नहीं लिया गया और यह केवल विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के आरंभ में सभी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। कार्यशाला में लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया और जोश व उमंग के साथ नृत्य की विभिन्न शैलियों को सीखा। झंकार क्लब के सक्रिय सदस्यों राजीव, ललित, अनमोल, दिव्या, रितेश, अभिनव, चेरी, निर्मला, ऋतिक, पारुल, सौरव, अपर्णा और अनिशा ने कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. मनीषा जांगड़ा, डॉ. विनीता माथुर, डॉ. ट्विंकल, डॉ. ऋतु बूरा और डॉ. विनोद कुमार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। यह आयोजन विद्यार्थियों को संस्कृति के प्रति जागरूक करने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक प्रेरक कदम रहा।

भिवानी। झंकार कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं प्रतिभागी। फोटो :हरिभूमि

हिसार। मजदूरों को नशे से बचाव के लिए जागरूक करते सुकून काउंसलर राहुल शर्मा।

जीवन अनमोल, इसे नशे के जाल से बचाना हमारी जिम्मेवारी : राहुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पड़ाव चौक स्थित लेबर शेड के पास विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मेहनत-मजदूरी करने वाले लोगों को नशे के दुष्परिणामों बारे जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन नशा मुक्त भारत अभियान के मास्टर वॉलंटियर एवं सिविल अस्पताल में कार्यरत सुकून काउंसलर राहुल शर्मा ने किया। उन्होंने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक मानसिक बीमारी है और इसका इलाज संभव है। जीवन अनमोल है, इसे नशे के जाल से बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। राहुल शर्मा ने शराब, तंबाकू, गांजा, चरस, अफीम, नशे की गोलियां, इंजेक्शन और हुक्के के सेवन से होने वाले गंभीर शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत से व्यक्ति गंभीर बीमारियों जैसे लिवर डैमेज, मानसिक असंतुलन, याददाश्त में कमी, यौन विकार और मृत्यु तक का शिकार हो सकता है। कार्यक्रम के दौरान मजदूरों को नशे के संकेतों की पहचान करना भी सिखाया गया। राहुल शर्मा ने बताया कि नशा करने वाले व्यक्ति में जुबान लड़खड़ाना, आंखों का लाल होना, निर्णय क्षमता में कमी, चिड़चिड़ापन और नींद न आना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

- मजदूरों को नशा के दुष्प्रभाव बारे किया गया जागरूक

पहलगाम में मारे गए लोगों की आत्मिक शांति के लिए निकाला कैंडल मार्च

बड़सी गेट के बाहर फूंका आतंकवाद का पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

आरडब्ल्यूए माडल टाऊन के सदस्यों ने लाल सड़क स्थित शहीद स्मारक पर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष 26 सैलानियों को जान से मारने के रोषस्वरूप समिति सदस्यों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया। बाद में प्रधान जेपी यादव की अध्यक्षता में शहर में कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च शहीद स्मारक शुरू होकर शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए बड़सी गेट बाहर पाकिस्तान का पुतला दहन कर समाप्त किया गया। इस दौरान आतंकवादियों द्वारा मारे गए सैलानियों की आत्मिक शांति के लिए मोमबत्तियां जलाकर प्रार्थना की गई तथा आतंकवाद की जननी पाकिस्तान व आतंकवादियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा सैलानियों की हत्या के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ जो प्रस्ताव पास किया है उसको अमलीजामा पहनाने में पूरा देश उनके साथ खड़ा है उन्होंने कहा कि अब आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फैंकने का समय आ गया है।

हांसी। कैंडल मार्च निकालते आरडब्ल्यूए माडल टाऊन के सदस्य।

समन्वित और निरंतर फॉगिंग की आवश्यकता : सत्यपाल अग्रवाल

हिसार। स्वैच्छिक सामाजिक संस्था /"सजग/" ने जिले में मच्छरों की बढ़ती समस्या को देखते हुए सभी क्षेत्रों में तुरंत और नियमित फॉगिंग करवाने की मांग की है। संस्था का कहना है कि प्रशासन द्वारा मच्छरों तथा संभावित मच्छरजनित बीमारियों को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। अब तक जिले में मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया जैसे रोगों की शुरुआत न होना एक सकारात्मक संकेत है। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष व वास्तु आर्किटेक्ट सत्यपाल अग्रवाल ने कहा कि इसके बावजूद वर्तमान में मौसम परिवर्तन के चलते पूरे जिले में मच्छरों और मक्खियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। कई क्षेत्रों में तो मच्छरों की भरमार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बीमारी की पुष्टि के इंतजार में समय गंवाने की बजाय तत्काल प्रभाव से पूरे जिले में व्यापक और नियमित फॉगिंग अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने चेताया कि यदि इस समय प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो मच्छरजनित बीमारियां अन्य मौसमी रोगों के साथ मिलकर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती हैं। अग्रवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ-कुछ दिन छोड़कर या अलग अलग क्षेत्र में अलग-अलग दिन करवाने की चली आ रही फॉगिंग व्यवस्था से मच्छरों की समस्या हल नहीं होगी, बल्कि मच्छर एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में फैलते रहेंगे। इसलिए पूरे जिले में एकसाथ समन्वित और निरंतर फॉगिंग अभियान की आवश्यकता है।

सत्यपाल अग्रवाल।

मई दिवस की तैयारी को लेकर ट्रेड यूनियन बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- आतंकवादियों द्वारा निर्दोष 28 सैलानियों की गोली मारी कर हत्या व बोम्बे एक्सप्रेस हाइवे पर 10 सफाई कर्मचारियों की मौत पर दो मिनट का मौन रखा

ट्रेड यूनियनों ने मिलकर मई मजदूर दिवस की तैयारी को लेकर रविवार को स्थानीय लेबर शैड में प्रधान महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। मीटिंग में भवन निर्माण, सीटू, इंटक, एटक, सर्व कर्मचारी संघ, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, आशा वर्कर व अन्य यूनियनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मीटिंग में पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष 28 सैलानियों की गोली मारी कर हत्या व बोम्बे एक्सप्रेस हाइवे पर 10 सफाई कर्मचारियों की मौत पर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला प्रधान सर्व कर्मचारी संघ सुरेंद्र यादव व राज्य उप प्रधान इंटक कृष्ण नैन ने कहा कि सभी ट्रेड यूनियन मिलकर एक मई को मजदूर दिवस मनाएंगे व लेबर शैडो से शहीद स्मारक तक प्रदर्शन करते हुए श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में केन्द्र सरकार पूंजीपतियों के हक में नीतियां बना रही है व मजदूरों हक के श्रम कानूनों में बदलाव कर धीरे धीरे उनको खत्म किया जा रहा है। केन्द्र सरकार लगातार पिछले 11 साल से मजदूर, कर्मचारी, किसान विरोधी नीतियों को लागू कर रही है सरकारी विभागों को बेचा जा रहा है लाखों युवा बेरोजगार घूम रहे हैं जबकि विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। युवाओं को कच्चे लगने के लिए मजबूर किया जा रहा है। तमाम ट्रेड यूनियन केन्द्र सरकार के खिलाफ 20 मई की हड़ताल में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

हांसी। मीटिंग को संबोधित करते सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुरेंद्र यादव।

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में आयोजित होंगे प्रशिक्षण शिविर

मधुमक्खी पालन, नर्सरी व डेयरी फार्मिंग में दिया जाएगा प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मई मास के दौरान बेकरी, मशरूम उत्पादन तकनीक, मधुमक्खी पालन, नर्सरी व डेयरी फार्मिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान में मई मास के दौरान तीन दिवसीय व पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण में राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी ताकि युवाओं का कौशल विकास किया जा सके। प्रशिक्षण के इच्छुक युवक और युवतियां पंजीकरण के लिए संस्थान में प्रशिक्षण के पहले दिन प्रातः 7:30 बजे पहुंच कर अपना पंजीकरण करवा कर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण का समय प्रातः 7:30 बजे से 2:00 तक रहेगा। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 लुदास रोड पर स्थित है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क

उन्होंने बताया कि 1 से 3 मई तक बेकरी, 6 से 8 तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 7 से 9 मई तक मधुमक्खी पालन, 13 से 17 मई तक डेयरी फार्मिंग तथा 15 से 17 मई तक नर्सरी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण में देश-प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला या पुरुष भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क है। प्रशिक्षण में पूरी अवधि तक भाग लेने वाले उम्मीदवारों को ही विश्वविद्यालय की तरफ से प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

सीलिंग प्लान में 28 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

डबवाली। पुलिस प्रशासन ने बीते शनिवार शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान अभियान चलाया जिसमें पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर 28 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। एसपी निकिता खट्टर ने स्वयं सभी नाका व पेट्रोल पार्टियों की चेकिंग की व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि सीलिंग प्लान का उद्देश्य जनता में पुलिस के प्रति सुरक्षा की भावना व और अधिक विश्वास पैदा करना व अपराधियों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाना है। अभियान के तहत जिला पुलिस ने चौक-चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर विशेष रूप से नाकाबंदी, चेकिंग तथा भीड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त कर अपराधियों के नापाक इरादों पर लगाम लगाई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान में भाग लिया।और क्षेत्र में प्रभावी रूप से गश्त व नाकाबंदी की। इस अवसर पर महिला पुलिस कर्मियों को भी गश्त व नाकाबंदी पर तैनात किया गया। करीब 4 घंटे चले अभियान के दौरान सभी राइडर/पीसीआर निरंतर गश्त में रहे।

खबर संक्षेप

चार का नेशनल लैक्रोस चैंपियनशिप में चयन

आदमपुर। लैक्रोस फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की ओर से आयोजित तीसरी सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर नेशनल लैक्रोस चैंपियनशिप 28 अप्रैल से एक मई तक आगरा में आयोजित की जाएगी। लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ़ हरियाणा द्वारा आयोजित रॉयल स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित किए गए जिसमें हरियाणा के लगभग सभी जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें आदमपुर के चार खिलाड़ियों का चयन हरियाणा टीम कि लिए हो गया है। सब जूनियर में रैतांशु, जूनियर वर्ग में गगनीश सोनी, सीनियर वर्ग में गुरु और सीनियर महिला वर्ग में आरजू का चयन हरियाणा टीम कि लिए हुआ है।

नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' ने किया मंत्रमुग्ध

हिसार। महान हिंदी नाटककार मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' का मंचन जिंदल स्टेनलैस स्टील स्थित तुलसी भवन में किया गया। नाट्यप्रस्थ रंगमच द्वारा तैयार इस नाटक को दीपिका सूर्यकांत और अंकित अधिराज द्वारा निर्देशित किया गया। मंचन में किरदारों की सजीव अभिव्यक्ति और संवादों की प्रभावशीलता ने दर्शकों को एक अद्भुत नाटकीय अनुभव दिया। मुख्य भूमिकाओं में अंबिका पात्र की भूमिका विनूषा, मलिका की भूमिका दीपिका, कालिदास की डॉ. सूर्यकांत, विलोम की अंकित, राजपुरुष की भूमिका में राज आर्य ने किरदार अदा किया।

अगवा कर वसूली करने के मामले में एक पकड़ा

आदमपुर। आदमपुर पुलिस ने जबरदस्ती अगवा कर वसूली करने के मामले में एक नामजद आरोपी गांव कालीरावण निवासी हितेश को गिरफ्तार किया गया है। उसे कोर्ट ने एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा। जांच अधिकारी एएसआई रमेश कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता राकेश और नामजद आरोपी हितेश व अन्य आरोपियों की लंबे समय से जान पहचाना थी और पैसे का लेन देन था। मामले में दूसरे नामजद आरोपी मनोज ने शिकायतकर्ता राकेश को पैसे देने के लिए सदलपुर बुलाया। इसके चलते 17 फरवरी को शिकायतकर्ता अपने दोस्त के साथ मनोज की ढाणी में गया और 4 बजे के करीब एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में नामजद आरोपी हितेश व अन्य आए और शिकायतकर्ता को पड़कड़ गाड़ी में डाल कर खेतों में ले गए।

समिति ने पहलगाम नरसंहार पर रोष जताया

हिसार। पूर्वांचल जन कल्याण संगठन समिति की बैठक में आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में 26 निर्दोष देशवासियों का नरसंहार किए जाने पर रोष प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान विनोद साहनी ने की। उपस्थित सदस्यों ने इस घोर कुकृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान आतकंवाद का पोषक देश है, जहां लगातार आतंकवाद फल-फूल रहा है। समिति के महासचिव आचार्य मुरलीधर पांडेय व कोषाध्यक्ष आचार्य शिवपूजन मिश्र ने हमले की घोर निंदा करते हुए सरकार से मांग की है कि आतंकवादियों व आकाओं को कड़ी सजा दी जाए।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के उपलक्ष में प्रतियोगिताओं का आयोजन

जागरूक होकर पशु-पक्षियों के कल्याण के लिए कार्य करें पशु वैज्ञानिक: डॉ. जिंदल

डॉ. अनिल कुमार बिढान ने सभी विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। लुवास में आयोजित पोस्टर प्रदर्शनी देखते मुख्य अतिथि व लुवास के अधिकारी तथा विजेताओं को सम्मानित करते अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नरेश जिंदल ने पशु चिकित्सकों एवं पशु वैज्ञानिकों से आह्वान किया है कि वे जागरूक होकर पशु-पक्षियों के कल्याण के लिए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि पशु व पक्षी प्रकृति एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है। कुलपति प्रो. नरेश जिंदल विश्व पशु चिकित्सा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों को विश्व पशु चिकित्सा दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि इस बार विश्व पशु चिकित्सा दिवस 2025 का थीम 'पशु स्वास्थ्य के लिए टीम की आवश्यकता होती है' है, जिसमें पशु चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और किसानों के सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्व पशु चिकित्सा दिवस की शुरुआत विश्व पशु चिकित्सा संघ ने वर्ष 2000 में की थी। इसी कार्यक्रम के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व हिसार शहर के 13 स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए भाषण, पोस्टर व ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया व 26 अप्रैल को सेमिनार का भी आयोजन किया था जिसमें लुवास के यूजी, पीजी व इंटर्न के छात्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर 2025 की थीम 'पशु स्वास्थ्य के लिए टीम की आवश्यकता होती है' के विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता ० भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता सेंट कबीर स्कूल की छात्रा सिया प्रथम, द्वितीय ठाकुर दास भार्गव स्कूल की छात्रा चितरंगी व तृतीय पुरस्कार सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा नव्या, डीपीएस स्कूल की छात्रा यशिका व सेंट कबीर स्कूल की छात्रा काशवी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। लुवास के छात्रों के लिए आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम ऋचा, द्वितीय श्रुति व तृतीय रजत रहे। लुवास के विद्यार्थियों के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम तरुण, द्वितीय ख़ुशी व तृतीय अभिनव रहे।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर कार्यक्रम

पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि जिला हिसार एवं हांसी के तहसीलदार एवं विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. अनिल कुमार बिढान ने सभी विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन पर प्राध्यापकों व विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि पशु चिकित्सा व्यवसाय एक महान व्यवसाय है। इससे जुड़े सभी वैज्ञानिकों को अधिक से अधिक उत्साह के साथ मानव हित के कार्यों में भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा हमेशा ये प्रयास रहना चाहिए कि कैसे पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अधिक से अधिक सुधार हों व राज्य के पशुपालकों को बेहतर पशु स्वास्थ्य की सुविधाएं प्राप्त हों तथा मानव जीवन का उत्थान हो। इस अवसर पर अधिष्ठाता पशु चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. पवन कुमार, अन्य अधिकारी, विभागाध्यक्ष व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिसार। अंबेडकर नगर में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी।

हैंडबाल में पदक जीतने वाली टीम में चार खिलाड़ी हिसार के

■ सुभाष चंद्रा फ़ाउंडेशन खेल केंद्र का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में हाल ही में हुई 47वी सीनियर राष्ट्रीय हैंडबाल चैंपियनशिप में हरियाणा स्टेट टीम ने कांस्य पदक प्राप्त करने वाली टीम में मुख्य चार खिलाड़ी सुभाष चंद्रा फ़ाउंडेशन हैंडबाल खेल केन्द्र गांव सातरोड के रहे हैं। इन खिलाड़ियों में नियाणा निवासी विपुल, महाबीर कॉलोनी निवासी मोहित, सरसाना निवासी मनोज व डाबड़ा निवासी रोहित शामिल है। विपुल को राष्ट्रीय प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। फ़ाउंडेशन के खेल इंचार्ज सूबे सिंह बेनीवाल ने बताया कि खिलाड़ियों ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन का श्रेय सुभाष चंद्रा फ़ाउंडेशन के प्रतिभाशाली कोच सतवीर सिंह पान्नू व हरियाणा खेल विभाग के वरिष्ठ कोच अनूप सिंह कासवा को जाता है। सुभाष चंद्रा फ़ाउंडेशन की ओर से जिला के भिन्न- भिन्न गांवों में लगभग 50 खेल केन्द्र स्थापित किए हुए हैं ताकि लड़के -लड़कियां खेलों के माध्यम से नशे से दूर रह कर सपनों को साकार कर सकें।

खेल केंद्र में स्वागत

खिलाड़ियों का फ़ाउंडेशन के खेल केंद्र पर पहुंचने पर फूलमालाओं से गांव सातरोड के पार्षद नरेश ग्रेवाल, फ़ाउंडेशन के खेल इंचार्ज सूबे सिंह बेनीवाल, कोच सतवीर सिंह पानू, सुमन जाखड़, तमन्ना देवी, महावीर सिंह व गणमान्य व्यक्तियों स्वागत किया। पार्षद नरेश ग्रेवाल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे गांव के कन्या सीनियर सैकंडरी स्कूल में जो फ़ाउंडेशन द्वारा हेंडबाल खेल का केन्द्र स्थापित किया हुआ है उसमें लगभग 150 लड़कियां सुबह-शाम अभ्यास कर रही है। खिलाड़ियों के स्वागत में गांव लाडवा की लड़कियों की खेल नर्सरी व सुभाष चंद्रा फ़ाउंडेशन खेल के केंद्र की लड़कियों का फ्रैंडली मैच भी करवाया गया।

जीवन में सुख एवं शांति के लिए प्रभु भक्ति जरुरी: सुखधामा

■ दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने शांति निकेतन में किया कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से रविवार को हांसी में शांति निकेतन कालोनी में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्य गुरु श्री आशुतोष जी महाराज की शिष्या साध्वी सुखधामा भारती ने बताया मनुष्य अगर अपने जीवन में सुख एवं शांति चाहता है तो उसे जीवन में प्रभु भक्ति का होना जरूरी है। साध्वी ने कहा कि प्रभु भक्ति कहीं बाहर नहीं बल्कि मानव के भीतर है। जैसे कस्तूरी मृग के अदर होती है और वह उसकी खोज बाहर करता है। इसी तरह प्रभु की भक्ति मनुष्य के अंदर है लेकिन हमारी खोज बाहर है। भक्ति का स्वरूप है ज्योति प्रकाश है जो सबके अंदर है और यही ईश्वर का स्वरुप है इस प्रकाश को तत्वदर्शी संत सतगुरु के द्वारा द्वारा ही देखा जा सकता है जब तक ईश्वर के तत्वरूप के दर्शन नहीं होता तब तक मानव की भ्रांतिया दूर नहीं हो सकती और जीवन में सुख शांति नही आ सकती। इसलिए अगर मानव वास्तविक आनंद को चाहता है तो वह एक पूर्ण गुरु की शरण में जाए जिनकी कृपा से ही वह अपने भीतर ईश्वर के दर्शन करे। तभी उसका जीवन सफल हो पाएगा। कार्यक्रम ने भजन कीर्तन द्वारा संगत मंत्रमुग्ध हुई।

हांसी। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करतीं साध्वी सुखधामा।

जनवादी लेखक संघ ने हमले की निंदा की

■ काव्य गोष्ठी कुम्हार धर्मशाला में दर्शना की अध्यक्षता में हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

बरवाला। काव्य गोष्ठी एवं विचार गोष्ठी में उपस्थित रचनाकार। *फोटो: हरिभूमि*

जनवादी लेखक संघ की मासिक काव्य गोष्ठी कुम्हार धर्मशाला में दर्शना जांगड़ा की अध्यक्षता में हुई। गोष्ठी का संचालन रीतु रुत ने किया। रचनाकारों ने अपने मन के भाव रचनाओं के माध्यम से पेश किए। यह काव्य गोष्ठी कश्मीर में शहीदों को समर्पित की गई। दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। जनवादी लेखक संघ ने जनवादी लेखक संघ, बरवाला ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। काव्य गोष्ठी के बाद भिन्न भिन्न संगठनों से जुड़े हुए प्रतिनिधियों ने विचार गोष्ठी की जिसकी मास्टर मोहन लाल जेई ने अध्यक्षता की। सद्भावना मंच बरवाला एंव जनवादी लेखक संघ ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की हम सभी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। आपसी भाईचारा बनाए रखना ही शहीदों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। 29 तारीख को सद्भावना मंच, बरवाला द्वारा शहीद भगत सिंह चौक पर इक्कठा होकर सद्भावना यात्रा निकाली जाएगी। इसमें बरवाला के तमाम जनसंगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ उपन्यासकार मास्टर रोहतास ने इस आतंकी हमले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह देश, सबका देश है। हमारा देश लोकतांत्रिक देश है जो संविधान के अनुसार चलता है। संविधान की प्रस्तावना में पहला शब्द है हम भारत के लोग। आतंकवादी की कोई जाति कोई धर्म नहीं होता। कुछ लोग इस घटना का राजनीतिकरण करके साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कुचेष्टा कर रहे है। बरवाला के अमनपसंद लोग व तमाम जनसंगठन यह किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। बरवाला के सभी जन-मानस से अपील है कि किसी भी रुप में आपसी सदभाव खराब ना होने दें। आपसी भाईचारा बनाए रखें।

यह रहे मौजूद

इस काव्य गोष्ठी एवं विचार गोष्ठी में मास्टर देशराज वर्मा, सुरजीत सिंह, रणवीर देवल, सुशीला बहबलपुर, सुबेसिंह सुबोध, रोहतास राजली, डॉ. राजेश मेहंदिया, सरदानन्द राजली, राजेश सरसौद, अवतार भारतीय, किसान नेता महासिंह सिंधु, सुभाष पेंतिया, अशोक बूरा, संजय बधावड़ व हर्ष व नमन आदि मौजूद रहे।

बरवाला: नि:शुल्क मेडिकल कैंप आयोजित

■ भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

बरवाला। नि:शुल्क मेडिकल कैंप में मंत्री रणबीर गंगवा का स्वागत करते आयोजक व अन्य गणमान्य व्यक्ति।

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से रविवार को विशाल योग आश्रम में निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

रणबीर गंगवा ने कहा कि समाजसेवा एवं जनकल्याण के पुनीत कार्य में भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा का योगदान प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने गठन के बाद से ही स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर वृद्धि की है ताकि सभी जरूरतमंदों को बेहतर उपचार मिले।

जरूरतमंदों को निशुल्क उपचार उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, वहीं हरियाणा में इस योजना का विस्तार करते हुए चिरायु योजना को धरातल पर उतारा गया। वंचित लोगों को पांच लाख रुपए तक का उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने को लेकर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर संत कवलानंद महाराज, संत सुखदेवानंद, प्रधान प्रवीन्द्र महता, राजू, सचिव धनश्याम दास, चेयरमैन रमेश बैटरी वाला सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आतंकियों का कोई धर्म नहीं...

■ बज्मे-ए-अदब की मासिक काव्य गोष्ठी क्रान्तिमान पार्क में हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। बज्मे-ए-अदब की मासिक काव्य गोष्ठी में उपस्थित कविगण।

बज्मे-ए-अदब की मासिक काव्य गोष्ठी क्रान्तिमान पार्क में हुई जिसकी अध्यक्षता ऋषि सक्सेना ने की। मंच का संचालन जयभगवान लाडवाल ने किया। मुख्य अतिथि जय भगवान यादव थे। गोष्ठी शुरू होने से पहले पहलगाम में शहीद हुए 26 सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जयभगवान लाडवाल ने काव्य पाठ करते हुए कहा कि 'पहचान पत्र देखा, कपड़े उतरवाए, कलमा पढ़ने को कहा, हिन्दुओं को चुन चुन कर मारा फिर भी कहते हैं आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता यारा।' नरेश पिंगल ने कहा कि 'कौन किसी का होता है किसी का कौन-थमी सही है बस लहरें, तूफां भी दिखता है मौन।' जयभगवान यादव ने कुछ यूं सुनाया कि 'मां की ममता का पल्लू आज शर्मिन्दा हो गया, मां की सिसकियां आज धंधा हो गया।' ईश्वर सैनी ने सुनाया कि 'मेरे श्याम कुछ ऐसा कर दे यो पाक आ जावै, जड़ ते नष्ट हो जावै।' वीरेन्द्र कौशल ने सुनाया कि 'उजड़ गए घर बेघर हो गए जज्बात, बताओ जरा अब किससे करे बात।' इस अवसर पर अशोक बंधु और ऋषि सक्सेना ने भी काव्य रचना प्रस्तुत की।

श्री श्याम मंदिर का स्थापना दिवस 2 को

■ भजन संध्या का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। मंदिर स्थापना की तीन वर्ष पूर्व की मोहन दास जी की फाइल फोटो।

श्री श्याम मंदिर सेक्टर 16-17 का चर्तुथ स्थापना दिवस 2 मई को मंदिर प्रांगण मे धूमधाम से मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर खाटूधाम में श्याम बाबा के मुख्य सेवक मोहन दास जी विशेष रूप से पहुंचेंगे। स्थापना दिवस की तैयारियों के चलते मंदिर परिसर को फूलों एवं लाइटिंग से भव्य रूप से सजाया जा रहा है।

मंदिर क बाहरी परिसर को भी ओरिजिनल फूलों से सजाया जा रहा है। इस विशेष अवसर के लिए श्री श्याम प्रभु के वस्त्र पानीपत से बनकर आएंगे, बंगलौर व दिल्ली से आए टाटा गुलाब, डेजी, फॉरगेट, पनीर पत्ता, एंथोरियम, लिली आदि देश-विदेश के विशेष फूलों से बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। छप्पन भोग, खीर, चूरमा, फलों की सवामणि एवं पंचमेवा एवं मिष्ठान का भोग लगाया जाएगा। श्री श्याम मंडल के प्रधान विनोद अग्रवाल, रमेश मित्तल, आशीष जैन, सुभाष बंसल, राजकुमार जैन, दिनेश बिंदल व त्रिलोक बंसल ने बताया कि वार्षिकोत्सव पर 2 मई को सायं 4 बजे से 10 बजे श्रदेय मोहन दास जी अपनी श्री वाणी से शीश के दानी श्याम बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन सुगमता से हो सके इसके लिए मंदिर कमेटी द्वारा विशेष व्यवस्था की जा रही है। इस आयोजन को लेकर श्याम प्रेमियों मे भारी उत्साह है।

सीवर लाइन निर्माण में त्रुटियां मिलने पर जय श्याम विहार व्यापार एसो ने जताई आपत्ति

कमियां दूर करके दोबारा शुरू होगा काम

■ कई महीनों की मांग पर सीवर लाइन का कार्य शुरू हुआ था

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। सीवर लाइन निर्माण में त्रुटियां दूर करवाने के लिए एकत्र हुए जय श्याम विहार व्यापार एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य।

हिसार के सेक्टर 9-11 के पास स्थित जय श्याम विहार में सीवर लाइन डालने का कार्य अनिमियतताएं मिलने पर रुकवा दिया गया है। स्थानीय निवासियों की कई महीनों की मांग के उपरांत यहां सीवर लाइन का कार्य शुरू हुआ था लेकिन जय श्याम विहार व्यापार एसोसिएशन के सदस्यों व अन्य निवासियों ने इस कार्य में त्रुटियां देखी तो तुरंत जिंदल हाउस में संपर्क किया। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए तत्काल जिंदल हाउस से ललित शर्मा, वार्ड-12 के पार्षद जगमोहन मित्तल व वार्ड-13 के पार्षद संजय डालमिया मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सीवर लाइन निर्माण कार्य का मुआयना किया और एकबारगी इस कार्य को रुकवा दिया। जय श्याम विहार व्यापार एसोसिएशन के प्रधान वेदप्रकाश शर्मा, उपप्रधान राहुल कंसल, सचिव विवेक मित्तल, एसोसिएशन के सदस्य विश्वनाथ, मनोज, संभव अग्रवाल, रमेश व जगदीश सहित आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जताया आभार

जनप्रतिनिधियों ने जय श्याम विहार व्यापार एसोसिएशन के पदाधिकारियों व अन्य स्थानीय निवासियों को आश्वस्त किया कि त्रुटियों व अनियमितताओं को दूर करके जल्द ही दोबारा सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। जय श्याम विहार व्यापार एसोसिएशन ने इस त्वरित कार्यवाही के लिए विधायक सावित्री जिंदल, ललित शर्मा, जगमोहन मित्तल व संजय डालमिया का आभार जताया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि गुणवत्तापरक कार्य होने पर जय श्याम विहार के निवासियों को काफी राहत मिलेगी।